PRABHAT KHABAR (GAYA)
Dated 27-02-2014

कंपनी का वादा. तीन घंटे के अंदर ठीक किया जायेगा फॉल्ट

अब बिजली गुल होने की मिलेगी जानकारी

संवाददाता, गया

गया, बोधगया व मानपुर क्षेत्र में जल्द ही उपभोक्ताओं को बिजली गुल होने से पहले जानकारी मिल जायेगी और उनकी शिकायतों को जल्द से जल्द निबटाया जायेगा. यह जानकारी बुधवार को शहर के आइएमए हॉल में इंडिया पावर लिमिटेड के सीइओ सिद्धार्थ मेहता ने संवाददाता सम्मेलन में दी.
सीइओ ने बताया कि एक मार्च से कंपनी के काम संभालते ही बेहतर सेवा देने की हर हाल में कोशिश की जायेगी. अगर किसी क्षेत्र में कोई समस्या होगी व मेंटेनेंस का काम किया जायेगा, तो उपभोक्ताओं को समाचार पत्रों व अन्य माध्यमों से जानकारी दी जायेगी. उन्होंने बताया कि फ्यूज उड़ने या फॉल्ट होने पर शीघ्र मरम्मत करायी जायेगी. कोशिश होगी कि तीन घंटे के अंदर शिकायतें दूर कर दी जायें. उन्होंऐसी ने बताया कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए गया, बोधगया व मानपुर क्षेत्र में 153 कस्टमर सेंटर खोले जायेंगे. इनमें 19 सेंटर खोले जा चुके हैं. उन्होंने बताया कि ट्रांसफॉर्मर बदलने व मीटर लगाने के लिए समय-सीमा (टाइम फ्रेम) निर्धारित की जायेगी. शहर में अधिसंख्य ट्रांसफॉर्मर ऐसे हैं, जो अधिक लोड की वजह से जल जाते हैं. व्यवस्था होगी कि लोड के अनुसार ट्रांसफॉर्मर लगाये जायें.

नियमानुसार मिलेगी सेवा

उन्होंने बताया कि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की सेवा प्रदान करने के लिए कंपनी द्वारा रसीद दी जायेगी. जिस किसी भी कार्य के लिए पैसा देना होगा, उसकी रसीद मिलेगी. सरकार के नियम के अनुसार ही सेवा दी जायेगी. सरकार जो टैरिफ तय करेगी, उसी अनुसार उपभोक्ताओं को भुगतान करना होगा.

- बोधगया व मानपुर में उपभोक्ताओं के लिए खुलेंगे 153 सेंटर
- मीटर व ट्रांसफॉर्मर लगाने का होगा टाइम फ्रेम
- उपभोक्ताओं को हर सेवा के लिए दी जायेगी रसीद

आइएमए हॉल में प्रेसवार्ता करते इंडिया पावर लि. के सीइओ सिद्धार्थ मेहता (बायें से तीसरे) व अन्य पदाधिकारी. ■ फोटो। प्रभात खबर

गांव में पढ़ कर 10 कंपनियों के चेयरमैन बने हेमंत कनोरिया

गया. इंडिया पावर लिमिटेड के चेयरमैन हेमंत कनोरिया की प्रारंभिक शिक्षा-दीक्षा बिहार के एक छोटे से गांव बड़हिया (मोकामा के पास) हुई. श्री कनोरिया बिहार के रहनेवाले हैं. गांव में पढ़ने के बाद वह उच्च शिक्षा के लिए कोलकाता चले गये. उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद कड़ी मेहनत व परिश्रम किया. इसी का परिणाम है कि श्री कनोरिया वर्तमान में 10 कंपनियों के चेयरमैन हैं. बिहार में काम कर रही 'सहज' के चेयरमैन के कामकाज भी श्री कनोरिया ही देखते हैं. उनके नेतृत्व में ही कंपनी बिहार व आसनसोल समेत कई शहरों में बिजली आपूर्ति का काम सफल रूप से कर रही है. बैंक के निजीकरण में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है.

सरकारी कर्मचारियों से काम नहीं लेगी कंपनी

गया. गया, बोधगया व मानपुर क्षेत्र में एक मार्च से बिजली व्यवस्था का काम संभालने जा रही इंडिया पावर लिमिटेड बिजली विभाग के सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों से काम नहीं लेगी. बिजली विभाग के सूत्रों की मानें, तो कंपनी के काम संभालते ही सरकारी कर्मचारियों व अधिकारियों को पटना बुला लिया जायेगा. पटना में उनसे काम लेने की व्यवस्था की जायेगी. लेकिन, ऐसी भी खबर थी कि निजी कंपनी ही गया जिले के बिजली कर्मचारियों से काम लेगी. कंपनी के सीइओ सिद्धार्थ मेहता ने प्रभात खबर के संवाददाता से बातचीत में साफ संकेत दिया किया उनकी कंपनी में सरकारी कर्मचारियों के लिए काम करने की कोई गुंजाइश नहीं है. कंपनी को 500 कर्मचारियों की जरूरत है और इसकी चयन की प्रक्रिया तेजी से चल रही है. काफी संख्या में लोगों का चयन किया जा चुका है.

दो साल में 150 करोड़ खर्च करेगी कंपनी

कंपनी के सीइओ ने बताया कि गया, बोधगया व मानपुर क्षेत्र में बिजली व्यवस्था के नेटवर्क में काफी गड़बड़ी है. कंपनी दो वर्षों में बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए 150 करोड़ रुपये खर्च करेगी. इसकी पूरी तैयारी कर ली गयी है. कई इलाकों में जर्जर तारों व ट्रांसफॉर्मर को बदलने की शीघ्र जरूरत है. काम चल रहा है. कई इलाकों में तारों के पास के पेड़ों की टहनियों को काटा गया है और कई क्षेत्रों में टहनियों को काटने की प्रक्रिया चल रही है. उन्होंने बताया कि 24 घंटे बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने में अभी वक्त लगेगा, क्योंकि काफी कुछ सुधार की जरूरत है.

ग्रामीण क्षेत्रों में भी भरोसेमंद सेवा

सीइओ ने बताया कि कंपनी गया, बोधगया व मानपुर के ग्रामीणों क्षेत्र में बिजली व्यवस्था सुदृढ़ करने की पूरी कोशिश करेगी. किसानों को भ्झरपूर बिजली मिलेगी. प्रयास होगा कि उपभोक्ता को भरोसेमंद सेवा दी जाये, ताकि उन्हें कंपनी से कोई शिकायत न रहे. बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में कंपनी के पास लंबा अनुभव है और उनके पास काबिल अधिकार मौजूद हैं. प्रेस वार्ता में कंपनी के बिजनेस हेड (गया) प्रवीण सिन्हा, जीएम रविशंकर शुक्ला, पीआर राकेश रंजन आदि मौजूद थे.